तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.49/2020)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 2020

(www.trai.gov.in)

31 मार्च, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1157.75**	**20.22**	**1177.97**
मार्च, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-2.84	-0.04	-2.88
मासिक वृद्धि दर	-0.24%	-0.20%	-0.24%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**638.48**	**17.97**	**656.46**
मार्च, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-4.76	-0.01	-4.77
मासिक वृद्धि दर	-0.74%	-0.05%	-0.72%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**519.27**	**2.24**	**521.51**
मार्च, 2020 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.92	-0.03	1.89
मासिक वृद्धि दर	0.37%	-1.46%	0.36%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**85.87%**	**1.50%**	**87.37%**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	138.41%	3.90%	142.31%
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	58.54%	0.25%	58.79%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	55.15%	88.91%	55.73%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	44.85%	11.09%	44.27%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**668.26**	**19.18**	**687.44**

- मार्च, 2020 के माह में 5.74 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से फरवरी, 2020 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 481.59 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत तक 487.33 मिलियन हो गया।

- मार्च, 2020 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 989.10 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* भारतीय जनगणना 2011 की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011–2036 के अनुमानों के आकड़ो के आधार पर

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2020 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,180.84 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 1,177.97 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 0.24 प्रतिशत दर्ज की गयी। फरवरी, 2020 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 661.23 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 656.46 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 519.62 मिलियन से बढ़कर 521.51 मिलियन हो गई। मार्च, 2020 माह के दौरान शहरी उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर 0.72 प्रतिशत तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की वृद्धि दर 0.36 प्रतिशत रही।

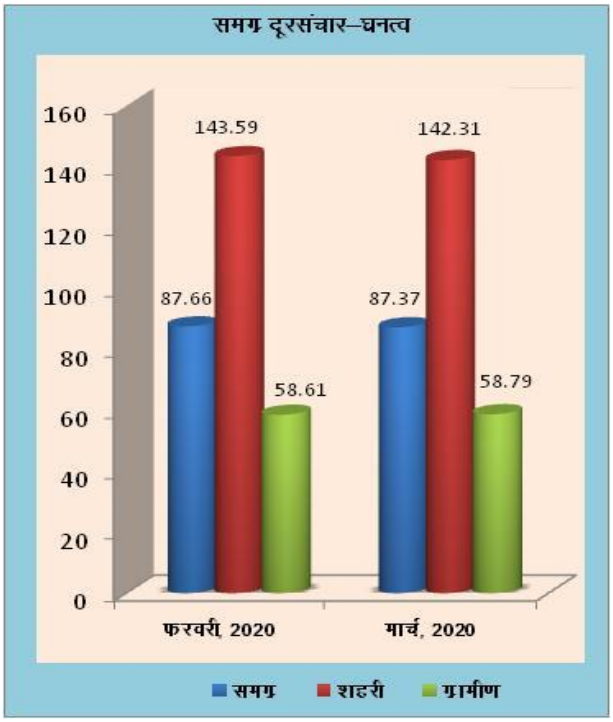

- फरवरी, 2020 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 87.66 से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 87.37 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2020 के अंत तक 143.59 से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 142.31 हो गया, किन्तु ग्रामीण दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2020 के अंत तक 58.61 से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत तक 58.79 हो गया। मार्च, 2020 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.73 प्रतिशत तथा 44.27 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

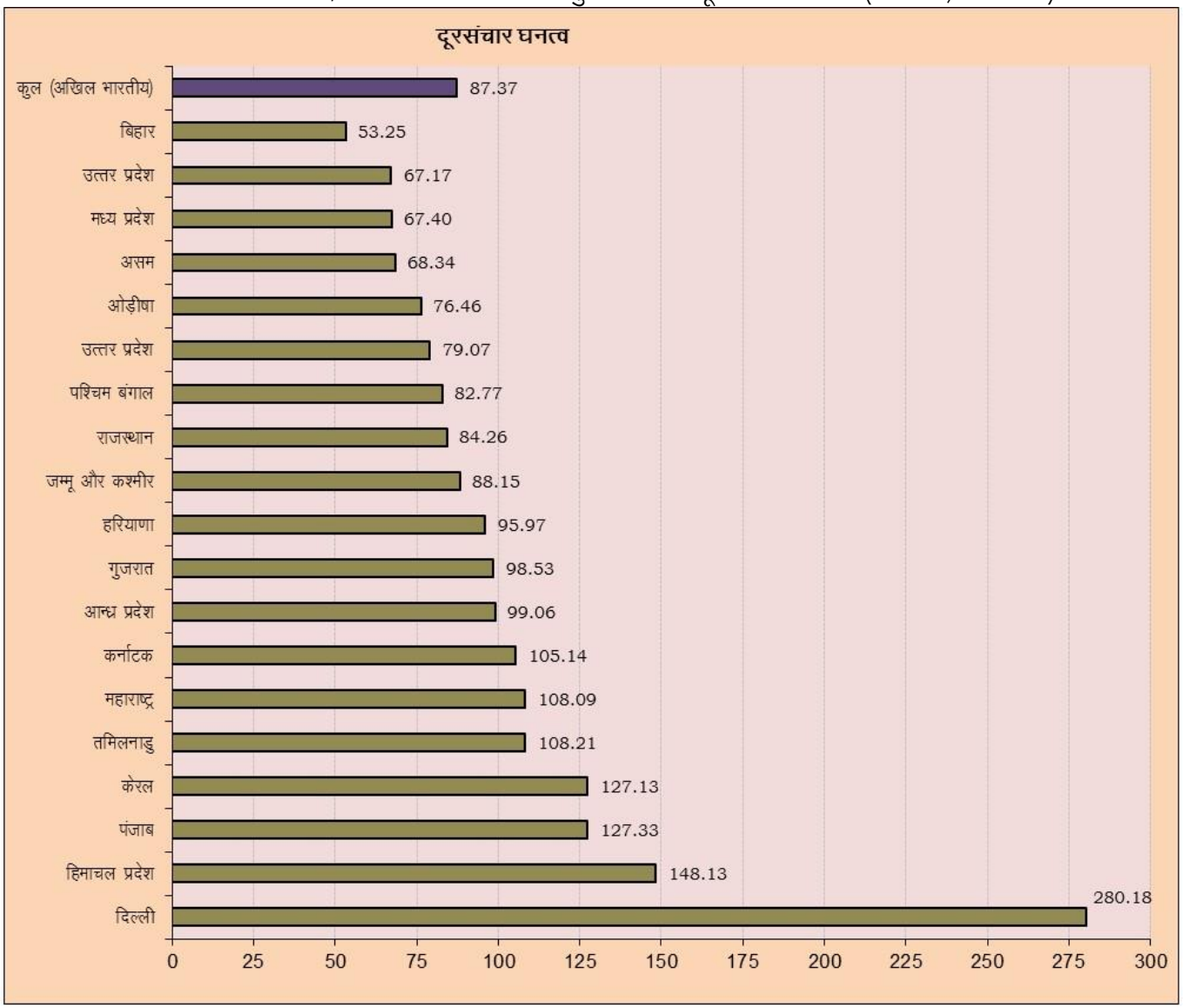

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि फरवरी, 2020 के अंत में आठ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 280.18 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 53.25 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारतीय जनगणना 2011 की जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई, जम्मू एवं कश्मीर में लद्दाख तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मार्च, 2020 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च, 2020 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-9,961	-6,28,983	78,27,989	39,81,94,741
श्रेणी – ख	-38,528	-14,31,541	45,66,334	46,62,61,026
श्रेणी – ग	-654	-1,45,286	8,28,493	17,63,32,914
महानगर	7,683	-6,30,914	69,95,271	11,69,59,823
अखिल भारतीय	**-41,460**	**-28,36,724**	**2,02,18,087**	**1,15,77,48,504**

मार्च, 2020 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2020 से मार्च, 2020 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2019 से मार्च, 2020 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.13%	-0.16%	-8.39%	-0.37%
श्रेणी – ख	-0.84%	-0.31%	-14.85%	-1.02%
श्रेणी – ग	-0.08%	-0.08%	-8.01%	1.00%
महानगर	0.11%	-0.54%	1.56%	0.40%
अखिल भारतीय	**-0.20%**	**-0.24%**	**-6.81%**	**-0.35%**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मार्च, 2020 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर महानगर एवं श्रेणी ग के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि तथा अन्य सभी श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में मार्च, 2020 माह के दौरान महानगरों को छोड़कर सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। वार्षिक आधार पर केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में वार्षिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2020 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,160.59 मिलियन से घट़कर मार्च, 2020 के अंत तक 1,157.75 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 0.24 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2020 के अंत तक 643.24 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 638.48 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 517.34 मिलियन से बढ़कर 519.27 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर 0.74 प्रतिशत तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि दर 0.37 प्रतिशत रही।

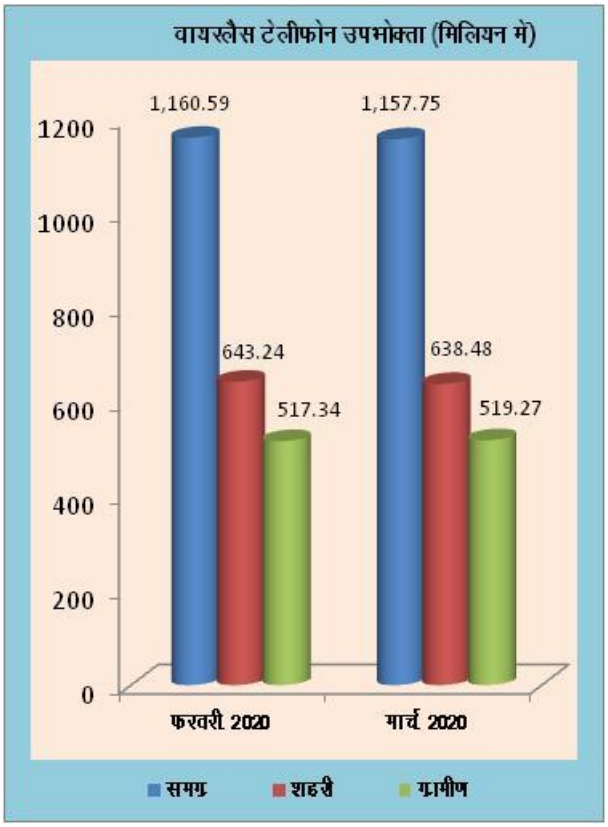

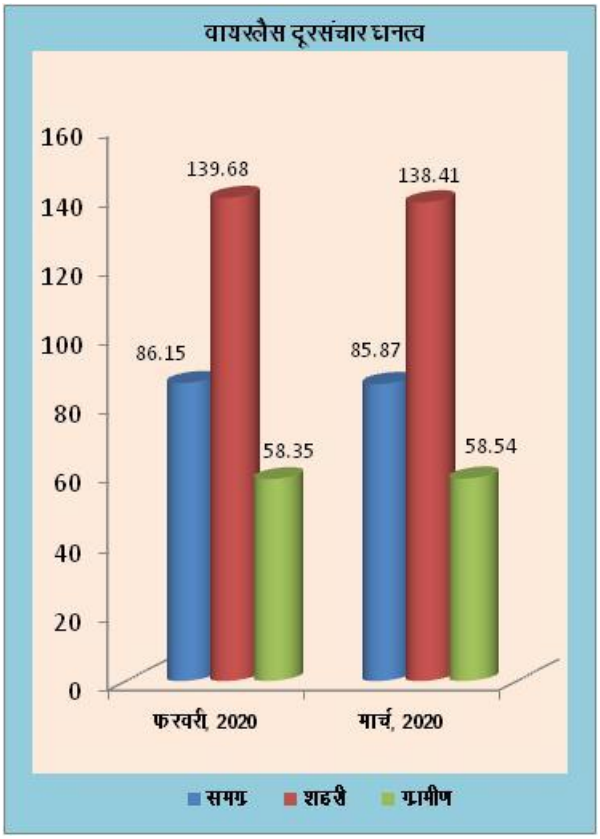

- फरवरी, 2020 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 86.15 से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 85.87 हो गया। शहरी क्षेत्रों में फरवरी, 2020 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 139.68 से घटकर मार्च, 2020 के अंत में 138.41 हो गया, किन्तु इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 58.35 से बढ़कर 58.54 हो गया। मार्च, 2020 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 55.15 प्रतिशत तथा 44.85 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.36 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.64 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः–

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

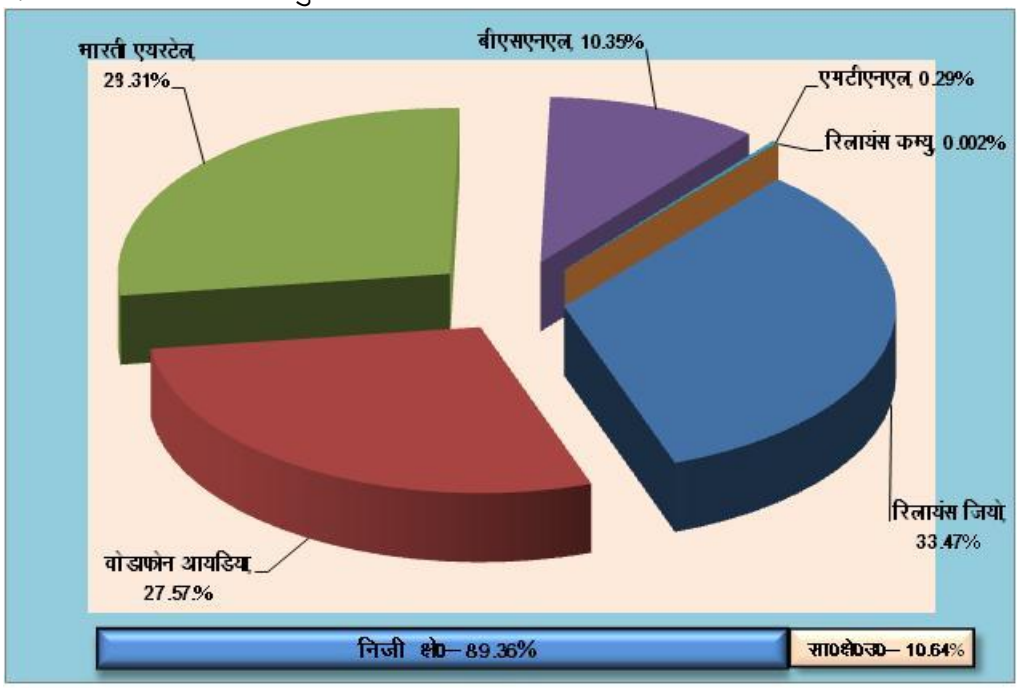

मार्च, 2020 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

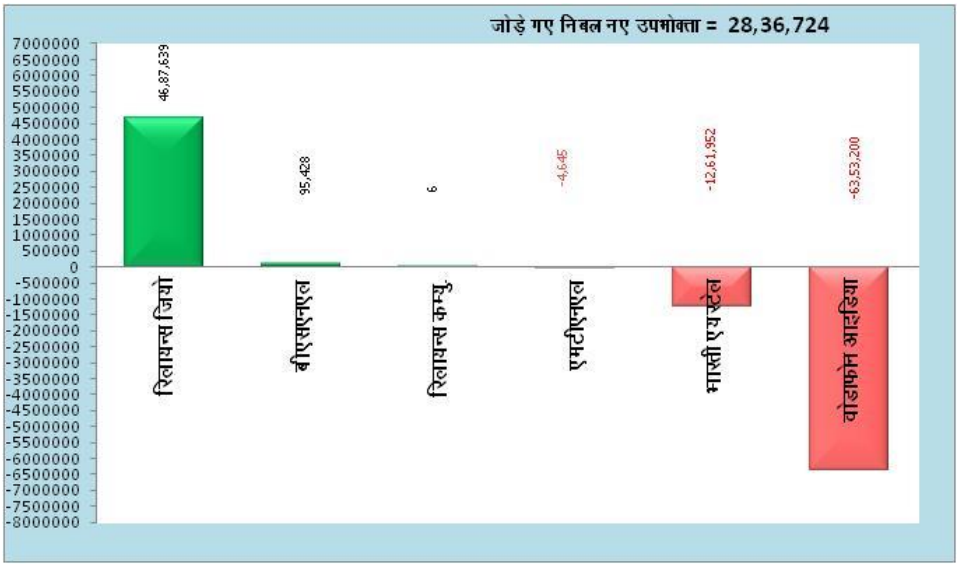

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है।
2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,157.75 मिलियन) में से 989.10 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 85.43 प्रतिशत था।

- मार्च, 2020 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

मार्च, 2020 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

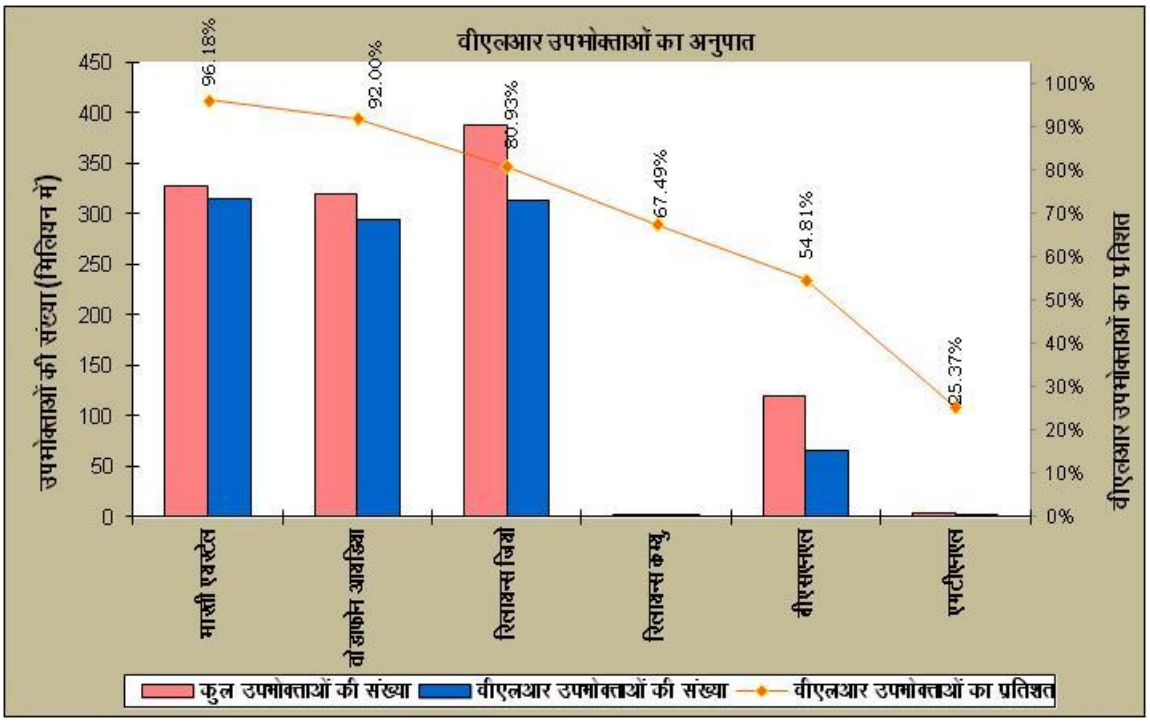

- मार्च, 2020 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 96.18 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 25.37 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

मार्च, 2020 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

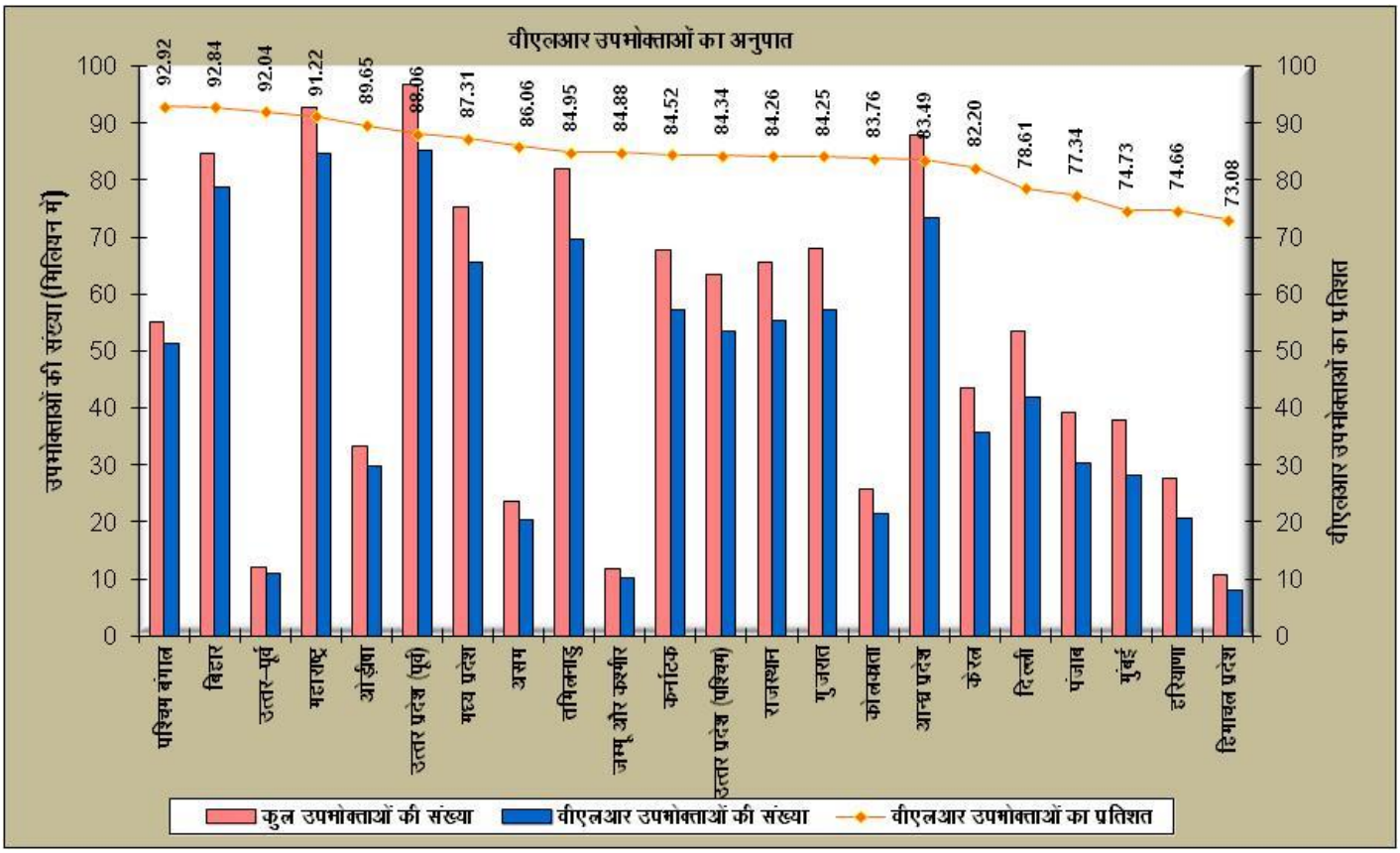

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मार्च, 2020 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

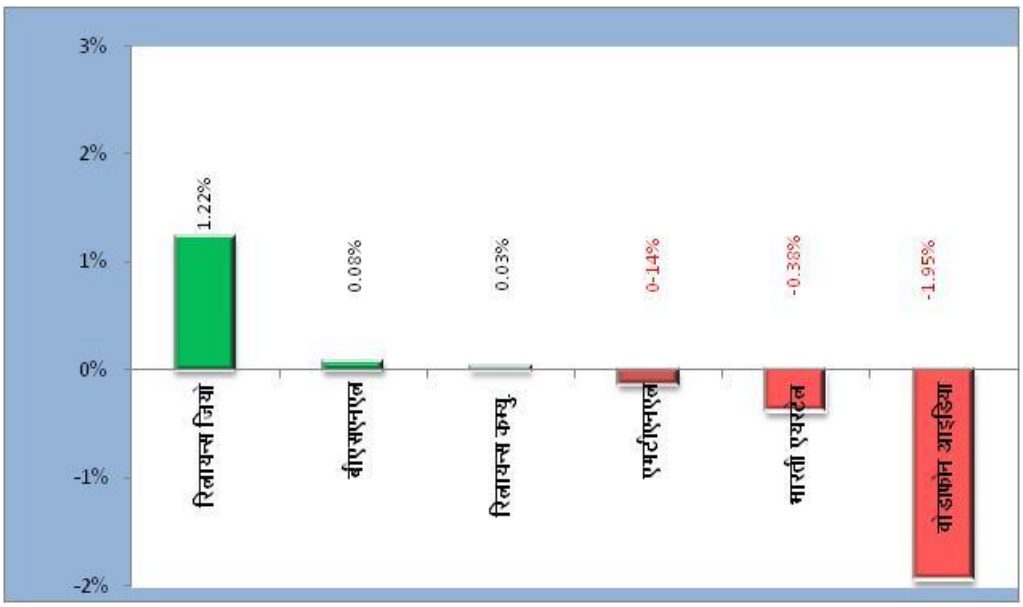

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

मार्च, 2020 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

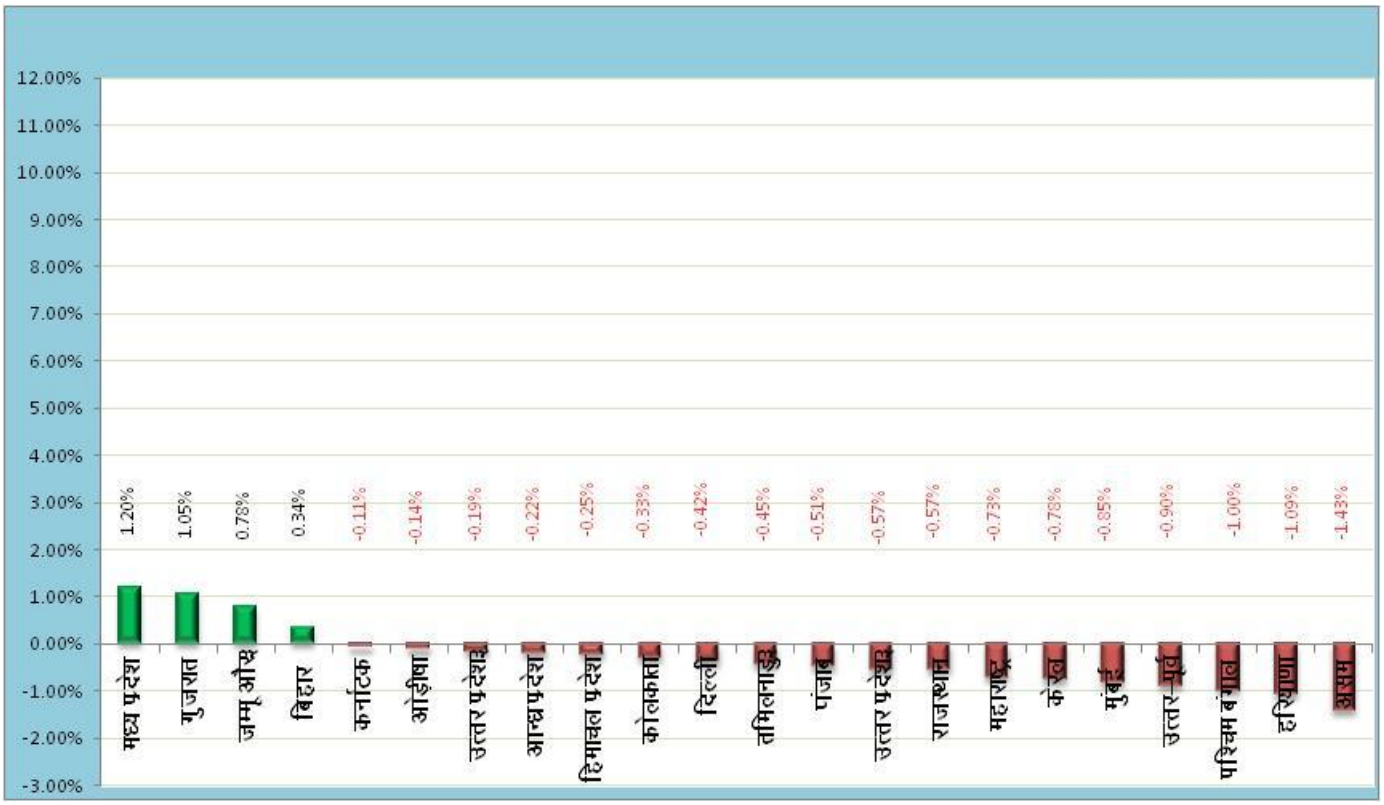

- मार्च, 2020 माह के दौरान मध्य प्रदेश, गुजरात एवं जम्मू कश्मीर और बिहार को छोड़कर सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 1.20 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च, 2020 के माह में कुल 5.74 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 5.74 मिलियन अनुरोधों में से 3.23 मिलियन अनुरोध जोन–। से तथा 2.51 मिलियन अनुरोध जोन–।। से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध फरवरी, 2020 के अंत तक 481.59 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत तक 487.33 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में महाराष्ट्र में (लगभग 37.79 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद राजस्थान में (लगभग 37.38 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 43.61 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 40.79 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	फरवरी, 2020	मार्च, 2020		फरवरी, 2020	मार्च, 2020
दिल्ली	24.78	25.05	आन्ध्र प्रदेश	40.42	40.79
गुजरात	32.14	32.57	टसम	3.67	3.70
हरियाणा	17.33	17.49	थ्बहार	19.88	20.21
हिमाचल प्रदेश	2.35	2.38	कर्नाटक	43.37	43.61
जम्मू और कश्मीर	1.16	1.18	केरल	12.21	12.39
महाराष्ट्र	37.15	37.79	कोलकाता	11.31	11.40
मुंबई	23.91	24.05	मध्य प्रदेश	32.07	32.61
प्ंजाब	18.58	18.78	उत्तर–पूर्व	1.43	1.44
राजस्थान	37.10	37.38	ओड़ीशा	9.57	9.68
उत्तर प्रदेश–पूर्व	27.50	28.12	तमिलनाडु	39.98	40.29
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	22.10	22.57	पश्चिम बंगाल	23.57	23.87
कुल	**244.11**	**247.35**	कुल	**237.48**	**239.98**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**481.59**	**487.33**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मार्च, 2020 माह में)				5.74 मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2020 के अंत तक 20.26 मिलियन से घटकर मार्च, 2020 के अंत तक 20.22 मिलियन हो गई। इस माह में 0.20 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.04 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। मार्च, 2020 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 88.91 प्रतिशत तथा 11.09 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व मार्च के माह के अंत में भी फरवरी, 2020 माह के अंत में जो कि 1.50 था, के समान ही रहा। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 3.90 तथा 0.25 रहा।

- 31 मार्च, 2020 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 58.47 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। फरवरी, 2020 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

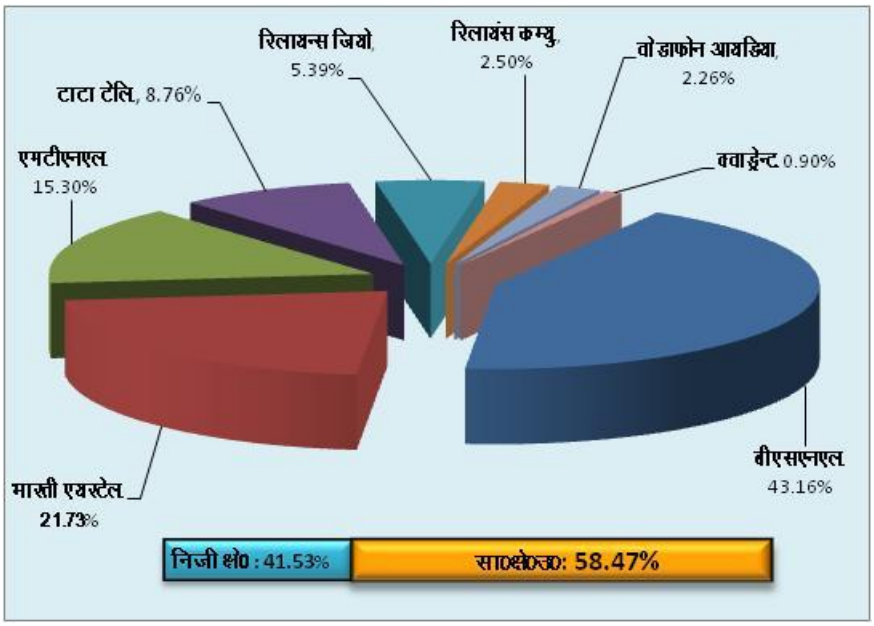

मार्च 2020 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

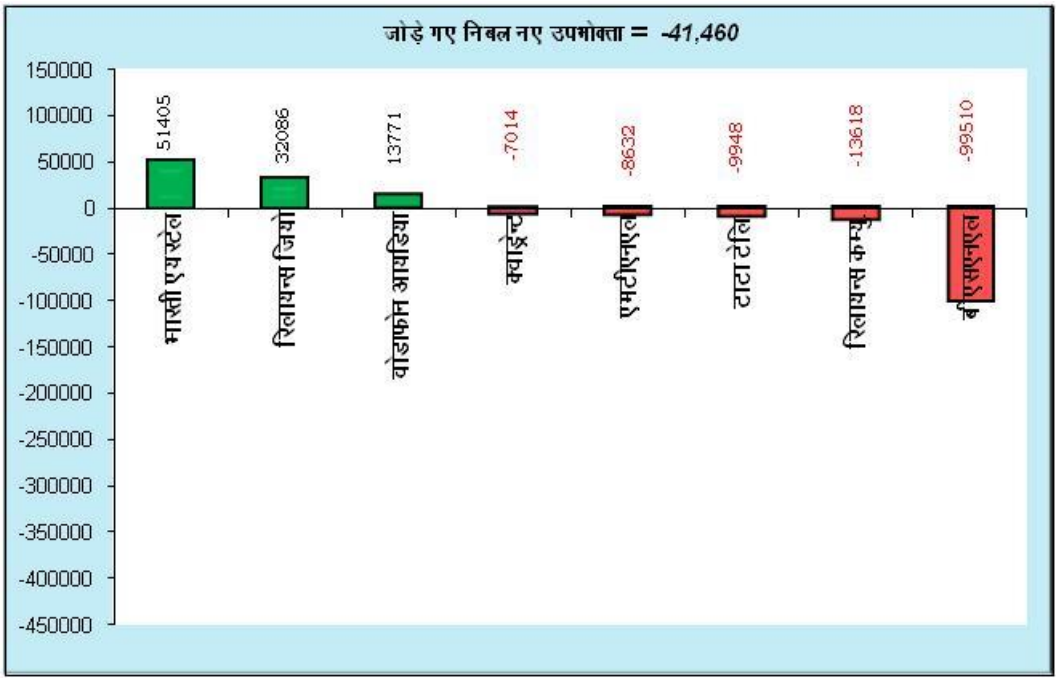

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- मार्च माह में 342 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी, 2020 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 681.11 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2020 के अंत में 687.44 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.93 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मार्च, 2020 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 29 फरवरी, 2020 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.07	19.18	0.51%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	661.45	667.66	0.94%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.58	0.60	2.48%
कुल	**681.11**	**687.44**	**0.93%**

- मार्च, 2020 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.99 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (388.39 मिलियन), भारती एयरटेल (148.57 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (117.45 मिलियन), बीएसएनएल (24.50 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.61 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन + वायरलैस)
सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

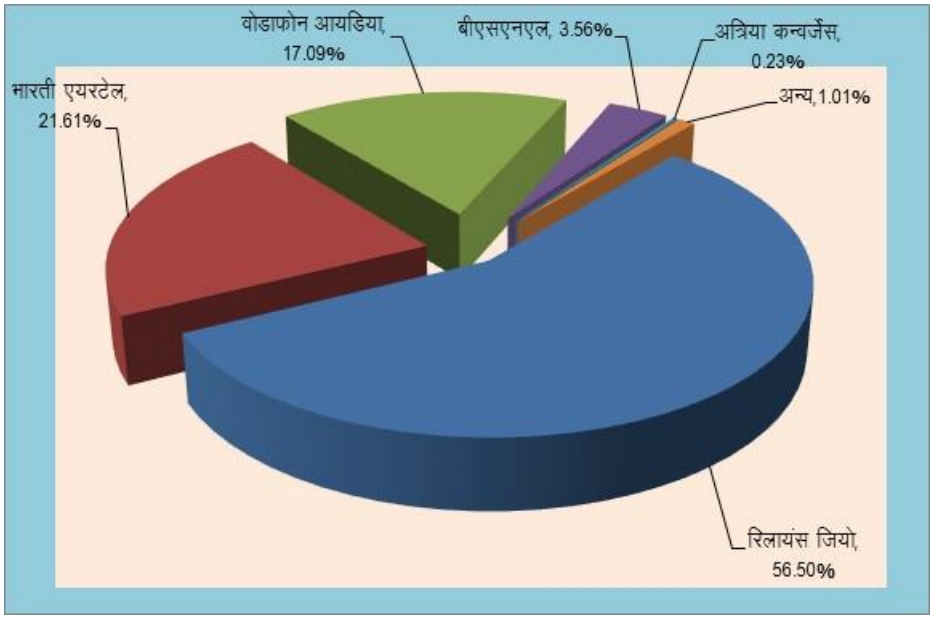

- दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.08 मिलियन), भारती एयरटेल (2.47 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.61 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.97 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.87 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (387.52 मिलियन), भारती एयरटेल (146.10 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (117.43 मिलियन), बीएसएनएल (16.43 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.18 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020
आन्ध्र प्रदेश	29401184	29359105	2213	2215	18581845	18117771	9897992	9880476					30170146	30496220	88053380	87855787
असम	8344039	8353872	0	0	4658150	4183200	2778094	2790779					8165090	8275824	23945373	23603675
बिहार	35124320	34977894	381	381	14563927	14591200	5551247	5628326					29195038	29526256	84434913	84724057
दिल्ली	15691909	15622321	1789	1789	17743366	17332519					2182809	2181486	18000340	18259352	53620213	53397467
गुजरात	11061517	10993217	605	605	26374653	27072381	6111291	6111290					23679880	23755633	67227946	67933126
हरियाणा	4541532	4537398	136	136	9050170	8785711	5046554	5003797					9339766	9347510	27978158	27674552
हिमाचल प्रदेश	3366740	3328098	104	104	885017	850315	2983302	2991601					3582892	3620570	10818055	10790688
जम्मू और कश्मीर	5846046	5928411	0	0	610300	610483	1261136	1257282					4052254	4064862	11769736	11861038
कर्नाटक	28789394	28721892	1540	1540	11640204	11268724	7328042	7318035					19945174	20318123	67704354	67628314
केरल	5618292	5609440	632	634	18366590	17962231	10975611	10944293					8811746	8915611	43772871	43432209
कोलकाता	6297202	6244080	36	36	7567960	7368356	2030138	2096657					9921868	10024019	25817204	25733148
मध्य प्रदेश	14598227	14476869	750	750	23262800	23870180	6356537	6368950					30122380	30517136	74340694	75233885
महाराष्ट्र	16187603	16099766	1050	1050	39037114	38126290	7192711	7051528					31065417	31518967	93483895	92797601
मुंबई	9954018	9921502	2397	2397	13124525	12712857					1182023	1178701	13890357	14013751	38153320	37829208
उत्तर–पूर्व	5242050	5232246	0	0	1863866	1721989	1407763	1422503					3617709	3645578	12131388	12022316
ओड़ीशा	11535226	11428399	364	364	3341790	3159284	6175768	6227956					12325587	12515137	33378735	33331140
पंजाब	10347907	10288523	316	316	9581610	9328394	5776616	5779360					13669665	13777111	39376114	39173704
राजस्थान	21282306	21115780	368	368	13943032	13598361	6207245	6271217					24474431	24547174	65907382	65532900
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25352753	25220269	3133	3135	21049736	20335566	12553826	12604529	91660	92015			23303041	23724399	82354149	81979913
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	31004679	30968581	866	866	26365167	25719403	11715869	11693544					27859162	28376042	96945743	96758436
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13826814	13933712	301	301	24351921	23633309	5989988	5964689					19573971	19849305	63742995	63381316
पश्चिम बंगाल	15661175	15451606	809	809	19558071	18820090	2345305	2373296					18063250	18428223	55628610	55074024
कुल	**329074933**	**327812981**	**17790**	**17796**	**325521814**	**319168614**	**119685035**	**119780108**	**91660**	**92015**	**3364832**	**3360187**	**382829164**	**387516803**	**1160585228**	**1157748504**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		-1261952		6		-6353200		95073		355		-4645		4687639	0	-2836724
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*150437858*	*153181508*	*0*		*168051655*	*167016669*	*40083083*	*38085638*	*0*	*0*	*45621*	*45593*	*158722801*	*160935668*	**517341018**	**519265076**

अनुलग्नक–**II**

मार्च, 2020 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	95.13	64.49	91.35		58.47	73.77	**83.49**
असम	99.25	52.03	89.61		-	82.42	**86.06**
बिहार	96.19	50.99	87.03		98.71	99.72	**92.84**
दिल्ली	88.85		85.25	15.96	29.26	71.03	**78.61**
गुजरात	93.77	50.92	92.95		29.26	78.51	**84.25**
हरियाणा	104.47	38.02	90.80		52.94	64.63	**74.66**
हिमाचल प्रदेश	99.89	38.68	101.38		33.65	70.20	**73.08**
जम्मू और कश्मीर	94.82	57.85	87.31		-	78.40	**84.88**
कर्नाटक	93.03	58.46	93.60		88.38	76.85	**84.52**
केरल	94.85	67.23	94.82		28.39	67.19	**82.20**
कोलकाता	92.98	50.61	91.82		-	79.01	**83.76**
मध्य प्रदेश	94.19	49.10	88.13		47.73	91.37	**87.31**
महाराष्ट्र	102.21	57.94	95.47		49.33	87.92	**91.22**
मुंबई	76.52		79.52	42.79	126.83	71.79	**74.73**
उत्तर–पूर्व	101.13	75.00	85.91		-	88.53	**92.04**
ओड़ीशा	101.06	66.17	95.82		13.46	89.34	**89.65**
पंजाब	97.62	42.51	91.63		21.20	67.14	**77.34**
राजस्थान	97.91	47.87	95.41		36.14	75.65	**84.26**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	94.83	65.76	92.90		72.34	77.91	**84.95**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	101.68	39.28	96.90		38.11	85.27	**88.06**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	99.97	44.68	91.37		11.63	76.90	**84.34**
पश्चिम बंगाल	97.86	82.04	95.72		27.07	87.34	**92.92**
कुल	**96.18**	**54.81**	**92.00**	**25.37**	**67.49**	**80.93**	**85.43**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020	फरवरी, 2020	मार्च, 2020
आन्ध्र प्रदेश	756922	754108			208792	213913	30371	29286	168529	166571			51315	51345	97292	100686	**1313221**	**1315909**
असम	95443	95015											3420	3450	12218	12875	**111081**	**111340**
बिहार	146849	146322					2092	2056	8444	8402			1980	1980	16465	17614	**175830**	**176374**
दिल्ली	0	0	1398989	1395358	1487412	1491730	69477	67232	148121	147802			76755	78115	86395	87626	**3267149**	**3267863**
गुजरात	664016	643726			97649	99478	10173	9725	85910	85404			31782	32052	132800	130278	**1022330**	**1000663**
हरियाणा	178089	175363			22247	22600	1598	1526	38508	38096			360	360	24698	26290	**265500**	**264235**
हिमाचल प्रदेश	95403	94579					1178	1117	1926	1933			60	60	752	795	**99319**	**98484**
जम्मू और कश्मीर	122309	120470					0	0	0	0			0	0	12160	14337	**134469**	**134807**
कर्नाटक	868598	863720			745374	778931	98612	97249	275265	272504			79977	82947	51705	51624	**2119531**	**2146975**
केरल	1459835	1445592			63469	62520	10464	10242	19705	19648			5640	5670	14099	14857	**1573212**	**1558529**
कोलकाता	395948	389392			134767	135817	33844	33239	49019	48882			11480	11480	32321	36071	**657379**	**654881**
मध्य प्रदेश	360002	358417			241403	240632	4864	4692	13363	13334			2280	2310	49253	50033	**671165**	**669418**
महाराष्ट्र	889585	877812			111503	113704	36927	35947	259341	257716			29503	29723	36610	36781	**1363469**	**1351683**
मुंबई	0	0	1703443	1698442	395256	398083	141314	137505	540146	538886			77476	85887	205425	213724	**3063060**	**3072527**
उत्तर–पूर्व	91944	90954											270	270	5724	6265	**97938**	**97489**
ओड़ीषा	186829	185731					1651	1651	8667	8697			5730	5760	7633	8160	**210510**	**209999**
पंजाब	319377	314234			139025	139989	9776	9444	12298	12314	189283	182269	3030	3030	36137	37031	**708926**	**698311**
राजस्थान	362816	356233			57538	58468	12825	12659	11558	11599			9810	9960	38981	39655	**493528**	**488574**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1172524	1165205			548407	547423	47341	45557	123527	122719			32305	32545	95295	99310	**2019399**	**2012759**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	284198	277783			63086	63353	2888	2745	8361	8308			13330	13330	67778	36200	**439641**	**401719**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	212806	209990			25248	25940	2213	2118	4924	4820			5550	5550	26858	62279	**277599**	**310697**
पश्चिम बंगाल	163120	162457					1615	1615	2444	2473			120	120	7992	8186	**175291**	**174851**
कुल	**8826613**	**8727103**	**3102432**	**3093800**	**4341176**	**4392581**	**519223**	**505605**	**1780056**	**1770108**	**189283**	**182269**	**442173**	**455944**	**1058591**	**1090677**	**20259547**	**20218087**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-99510		-8632		51405		-13618		-9948		-7014		13771		32086		**-41460**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2189498	2158197	0	0	0	0	972	945	46896	45723	36531	35478	0	0	2619	2838	**2276516**	**2243181**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————